दिनांक
25.03.08

माह जनवरी से मार्च 2008 तक का प्रतिवेदन
"आशा" सामाजिक विद्यालय बमनौली रेवती, बलिया (उ०प्र०)

यह संस्थान रेवती बिजलीघर के पश्चिम. मरो की एक गरीब बस्तीमे स्थित है. इस संस्थान में 7 अध्यापक और 127 बच्चे पढ़ते है। यह विद्यालय कक्षा नर्सरी से कक्षा 8 तक चलता है। कक्षा 8 के बच्चों का नाम अन्य सरकारी विद्यालयों में लिखवा दिया जाता है। ताकि उनको सर्टीफिकेट मिल सके।

इस संस्थान के पास अभी तक कोई सुलभ शौचालय नही था. जिनसे लड़कियों को काफी परेशानी उठानी पड़ती थी लेकिन माह जनवरी 08 में 8x5 को 11000/ग्यारह हजार रुपये लागत का एक सेप्टी शौचालय बनवा लिया गया है। माह जनवरी में ही बच्चों का स्वास्थ्य कैंप लगाने वाला था लेकिन डॉ. के व्यस्त होने के कारण इस माह में कैंप न लग सका।

दिनांक 12.01.08 को इस स्कूल का एक बच्चा जो शिशु ब का छात्र (सन्तोष) था कुँए में गिरने से उसकी मृत्यु होगयी। यह बच्चा उनके स्कूल बन्द होने के बाद कुत्ते का बच्चा पकड़ने गया. तभी कुत्ते की माँ ने इसे काटने के लिए दौड़ा उसी समय भागते समय यह बच्चा कुँए में गिर गया। शाम को 5 बजे बच्चे को उसके माता पिता ढूँढने लगे लेकिन उसका पता कहीं नही लगा तब हम को (ओमप्रकाश) को लोग फोन करके बुलाये उसकी खोज खबर करते-करते शाम 6 बजे बच्चे को कुँए से निकाला गया और तुरन्त उसको डॉ से दिखाया गया लेकिन डॉ साहब ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। उसके मृत्यु पर हम सभी लोग काफी दुःखी हुए।

जिस कुँए में बच्चा गिरा था उस कुँए को चारो तरफ से 5 फीट ऊँचा ईंट से ~~[illegible]~~ हमलोग घेरवा दिये।

माह फरवरी में लालपुर में गणित के अध्यापकों के लिए एक शिविर का आयोजन था। जिनमें हमारे केन्द्र से ओमप्रकाश जी गये थे। वहाँ पर मुम्बई से राजीव तांबे जी प्रशिक्षण देने के लिए आये हुए थे। प्रशिक्षण काफी अच्छा था।

माह मार्च के प्रथम सप्ताह में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर लिया गया। कुछ बच्चों की दवा सरकारी अस्पताल से मिल गया और कुछ बच्चों की दवा खरीदनी पड़ी। इसी माह में विजय भाई वजन तौलने वाली मशीन भी लाये। जिस से सभी बच्चों का वजन और ऊँचाई लिया गया।

दिनांक 15.3.08 को आशा सामाजिक विद्यालय बमनौली और भैंसहा के बच्चों का Tour संयुक्त रूप से सारनाथ गया।

15 मार्च 08 हम लोग सभी बच्चों को सुबह साढ़े सात बजे अपने केन्द्र पर बुलाये थे। यहाँ से 8 बजे सभी बच्चों का हाजिरी लेकर रेवती स्टेशन के लिए चल दिये। हमारे स्कूल से कक्षा 3 से कक्षा 8 तक के कुल 38 बच्चे, 8 अध्यापक, एक खाना बनाने वाला मिस्त्री, एक बाबूलाल जी की पत्नी कुल 48 लोग थे। हम लोग सभी बच्चों को रेल के एक डिब्बे में चढ़ाये ताकि इधर-उधर बच्चे छूट न जाये। ट्रेन में काफी भीड़ थी बलिया जाकर सभी बच्चों को बैठने का स्थान मिल गया। शाम 4:30 बजे हम लोग रजवारी स्टेशन पर उतरकर खाना खाये और वहाँ से पैदल कैथी के लिए चल दिये। कैथी पहुँचकर हम लोग बच्चों को बिस्कुट पानी पीने के लिए दिये। और रात का खाना बनाने के तैयारी में लग गये।

अगले दिन 16 मार्च को सभी तैयारी करने के बाद बच्चों को खाना खिलाकर बस द्वारा सारनाथ पहुँचे। सारनाथ जाते समय रास्ते में कुछ बच्चों की तबीयत खराब हो गयी। दवा खिलाने के बाद कुछ ठीक हुए। लगभग 12:30 बजे हम लोग सारनाथ पहुँच गये वहाँ से सभी बच्चों को पंक्ति बद्ध करके बौद्ध मन्दिर, वनविहार, पुरातत्व अवशेष, बौद्ध स्तूप, और पुरातत्व संग्रहालय घुमाये। उसके बाद सारनाथ से ही बस द्वारा मारकंडे महादेव जी का दर्शन करने सभी बच्चे कैथी पहुँचे। मारकंडे महादेव जी का दर्शन करने के बाद हम लोग न अपने सेन्टर कैथी पहुँचकर मिष्ठान, चना से जलपान किये। फिर अगले दिन 17 मार्च को हम लोग अपने अपने घर वापस सुरक्षित आ गये।

हमारे स्कूल को बाल पुस्तकालय अच्छी तरह से नहीं चल रहा है. कृपया आप अशोक जी से बात करके उसीको व्यवस्थित करनेकी कृपा करें।

कक्षा	बालक	बालिका	योग	अध्यापक
शिशु कक्षा	12	20	32	संगीता जी
प्रथम	13	16	29	ललन जी
द्वितीय	10	15	25	अशोक जी
तृतीय	13	04	17	बाबूलाल जी
चतुर्थ	03	07	10	} रेखा जी
पंचम	03	02	05	
षष्ठम	03	02	05	लाल जी
अष्टम	03	01	04	ओमप्रकाश जी
	60	67	127	

ओमप्रकाश
25.3.08
आशा सामाजिक विद्यालय गमनौली